[6] अरावली पर्वतीय प्रदेश ⇒

→ अरावली विश्व की प्राचीनतम पर्वत माला है।
→ उत्पत्ति कब हुई → प्री - कैम्ब्रियन युग
→ वर्तमान में यह अवशिष्ट पर्वतमाला है।

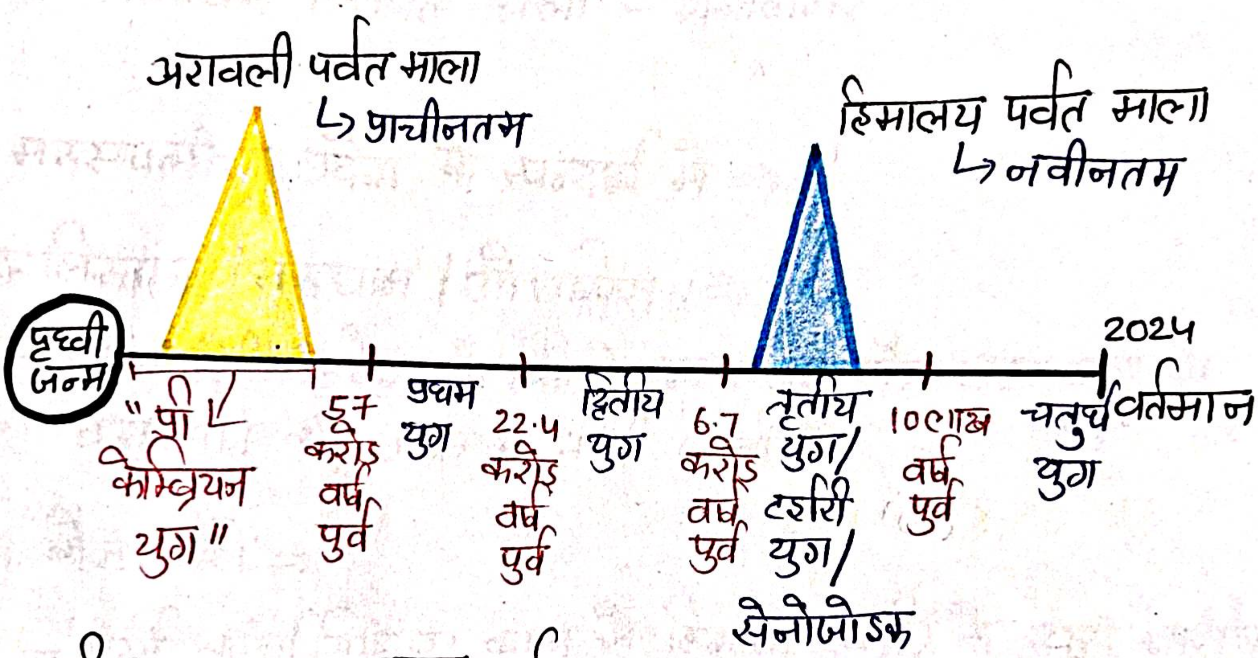

पृथ्वी आयु = 4.6 अरब वर्ष

→ अरावली के समकालीन USA की अप्लेशियन पर्वत माला मानी जाती है अत: दोनों को प्राचीनतम पर्वतमाला मानी जाती है।

"उ० अमेरिका"

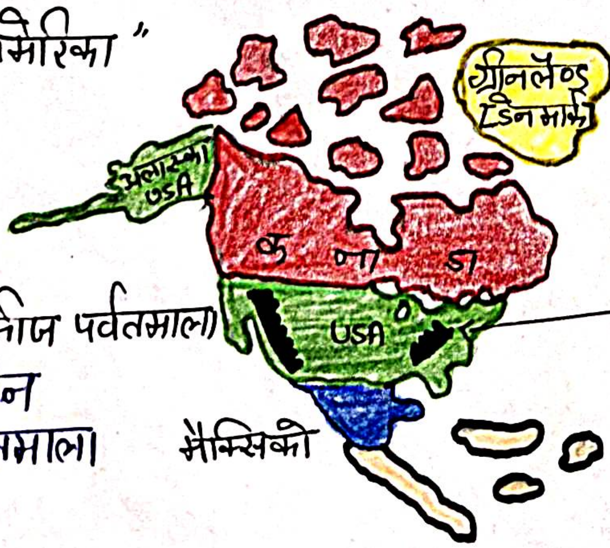

रॉकी / रॉकीज पर्वतमाला
↳ नवीन पर्वतमाला।

मैक्सिको

अप्लेशियन पर्वतमाला
→ स्थित - USA के पूर्वी भाग में
→ यह अरावली के समकालीन निर्मित पर्वतमाला
→ श्रेणी - प्राचीनतम पर्वतमाला

अरावली ⇒ निर्माण के समय ⇒ वलित / मोड़दार पर्वतमाल ⇒ सम्पीडन बल / क्रिया

└→ वर्तमान के समय ⇒ अवशिष्ट पर्वतमाला [अनाच्छादन क्रिया]

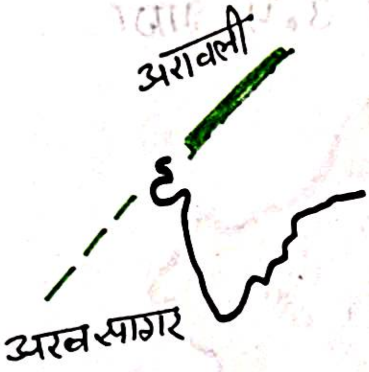

NOTE ⇒ अरावली का गर्भगृह = अरब सागर

अरावली का विस्तार ⇒

(उ.पू.)

DL → रायसीना हिल्स / राष्ट्रपति भवन / दिल्ली

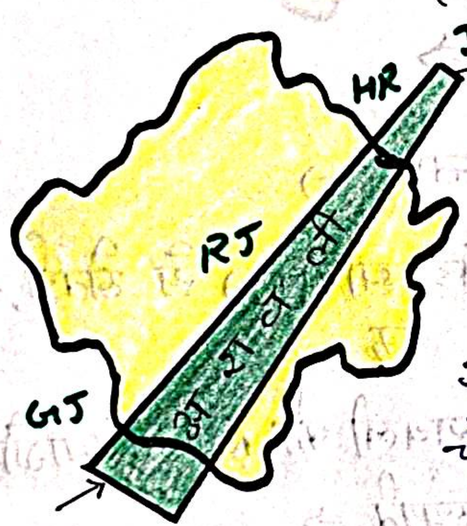

पालनपुर (GJ) (द.प.)

विस्तार = पालनपुर [GJ] से रायसीना हिल्स (DL) तक

कु. लं. = 692 km

औसत ऊँचाई = 930 m

चौड़ाई / ऊँचाई = द. प. से उ. पू. की ओर जाने पर अरावली की चौड़ाई व ऊँचाई दोनों में कमी आती है।

सम्बन्धित राज्य / के. शा. प्र. ⇒

गुजरात
राजस्थान
हरियाणा
} राज्य

दिल्ली – के. शा. प्र.

आकृति = प्रसिद्ध वाद्ययंत्र "तानपुरा" के समान

उपनाम = (1) आडावल → स्थानीय भाषा का नाम
(2) पारिपात्र → पुराणों में नाम

NOTE ⇒ आड़ावाल की पहाड़ी / पठार ⇒ बूंदी

→ अरावली गोंड़वाना लैण्ड का हिस्सा है।

→ ज्वालामुखी विस्फोट से निकलने वाले लावे द्वारा निर्माण।

→ भारत के "दक्षिण के प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश" के उ.प. भाग में अरावली स्थित है।

★ राजस्थान के सन्दर्भ में अरावली ⇒

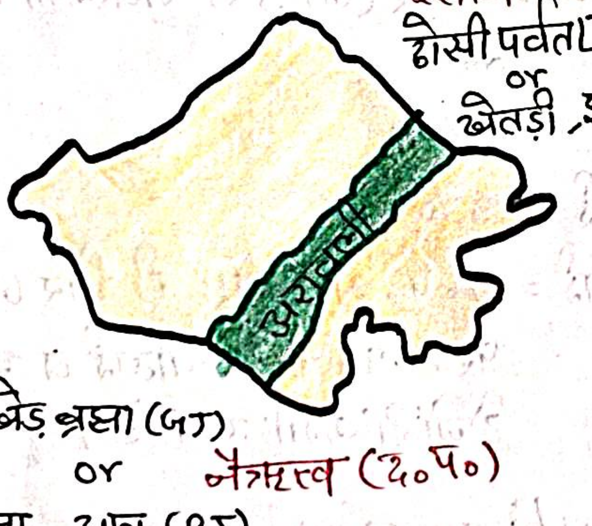

विस्तार ⇒ - खेड़ब्रह्मा (GJ) से खेतड़ी, झुंझुनु तक

- अरावली की RJ में भौगोलिक स्थिति ⇒

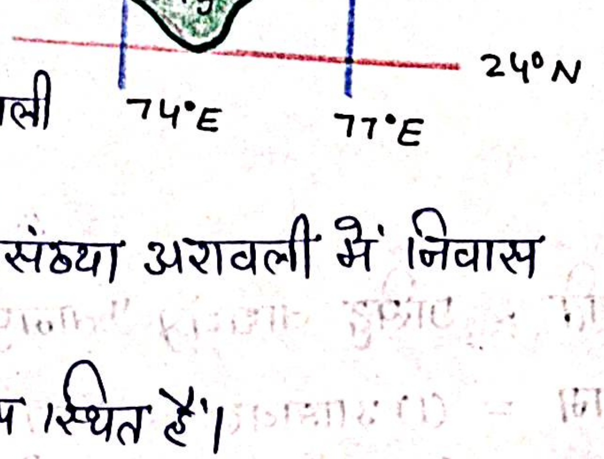

⇒ लम्बाई = 550 km (80%)

⇒ RJ के कितने % भु-भाग पर अरावली का विस्तार फैला है = 9.3%

⇒ RJ के कितनी ~~भु-भाग~~ % जनसंख्या अरावली में निवास करती है = 10%

⇒ अरावली RJ में "कर्णवत" रूप स्थित है।

⇒ RJ में अरावली की आकृति ⇒ डमरूनुमा / तितलीनुमा

★ अरावली का वर्गीकरण ⇒

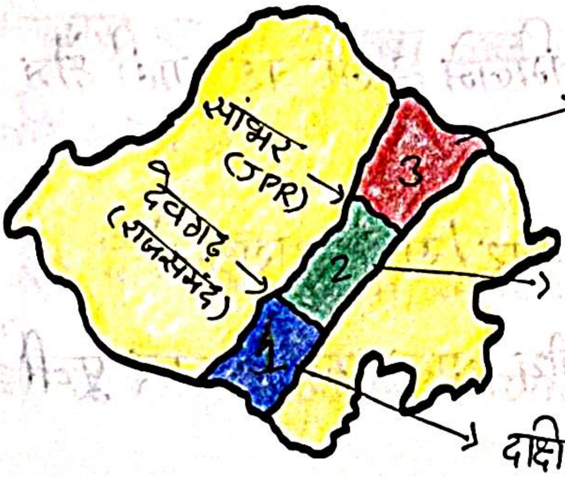

उत्तरी अरावली → जयपुर + दौसा + अलवर [सीकर + झुंझुनु]
[उ. पू. अरावली]
(400m)
→ रघुनाथगढ़ चोटी (सीकर) ↳ 1055m

मध्य अरावली → अजमेर → (1) गोरम जी चोटी, टॉडगढ़, 934m
(700m)
(2) तारागढ़ चोटी अजमेर, 870m / 813m

दक्षिणी अरावली → सिरोही + उदयपुर + राजसमंद
(1000m)
गुरु शिखर चोटी, सिरोही ↳ 1722m

NOTE ⇒

- क्षेत्रफल की दृष्टि से विस्तार
  - सर्वाधिक ⇒ उदयपुर
  - न्युनतम ⇒ अजमेर
- क्षेत्रफल की दृष्टि से विस्तार
  - सर्वाधिक ⇒ सिरोही (85%)
  - न्युनतम ⇒ अजमेर
- जिलें में पर्वत चोटीयों की संख्या
  - Max ⇒ उदयपुर
  - Min ⇒ जयपुर
- ~~जिलें में ऊँची चोटीयों~~ → ~~Max ⇒ सिरोही~~
- सर्वाधिक ऊँची चोटियों वाला जिला → सिरोही
- न्युनतम ऊचाई वाली चोटियों वाला जिला → जयपुर

अरावली → विस्तार जिलों में → मुख्यत: ⇒ 7 / 9 | New 13 जिलें
→ कुल ⇒ 12 / 13 | 18 जिलें

वायु घाटियाँ / Wind Gaps ⇒

अर्थ :- पर्वतीय क्षेत्रों में के मध्य मिलने वाला वह घाटी क्षेत्र जहां पवनें प्रवाहित होती हैं।

- RJ में सर्वाधिक विस्तार → ब्यावर / मध्य अरावली
- इन वायु घाटियों द्वारा मरुस्थलीय बालु का विस्तार पूर्वी राज० की ओर फैल रहा है।

NOTE ⇒

→ अरावली पश्चिमी मरु० प्रदेश के बालु / रेत को पूर्वी RJ में फैलने से रोकती है।

→ अरावली RJ में जल विभाजन का कार्य करती है अर्थात् अरावली के पूर्वी ढाल से प्रवाहित होने वाली नदियां अपना जल बंगाल की खाड़ी में जबकि पश्चिमी ढाल से प्रवाहित होने वाली नदियां अपना जल अरब सागर में डालती हैं।

→ RJ की अधिकांशत नदियों का उद्गम अरावली पर्वतीय प्रदेश से होता है।

→ RJ की अधिकांशत झीलें / बांध / वन्य जीव अभ्यारण्य तथा अधिकांशत जनजातियां (भील, मीणा, गरासिया, कथौडी, डामोर) निवास करती है तथा इन जनजातियों द्वारा स्थानान्तरित कृषि की जाती है।

→ RJ के खनिजों का अजायबघर → अरावली पर्वत माला

→ भारत के खनिजों का अजायबघर →
(1) छोटा नागपुर का पठार
(2) राजस्थान

→ सम्पुर्ण भारत में खनिजो की विविधता में प्रथम स्थान → RJ

→ अरावली पर्वत माला RJ में जलवायु निर्धारण ~~करता~~ का कार्य करती है।

☆ RJ के प्रमुख जिले जिनका संबंध प्रमुख पर्वत-चोटियों / पहाड़ी से है ⇒

(1) सिरोही ⇒

गुरु शिखर (1722/27) → RJ की सबसे ऊँची
सेर (1597m) → RJ की 2nd सबसे ऊँची
देलवाड़ा (1442m) → RJ की 3rd सबसे ऊँची
अचलगढ़ (1380m)
ऋषिकेश (1017 m)
भाकर → तीव्र ढाल नुमा कटी-फटी पहाडियां / कटकनुमा पहाड़ी

आबु पर्वत खण्ड ⇒

- → औसत ऊंचाई → 1200m
- → 8 km चौड़ा व 19 km लम्बा
- → ग्रेनाईट चट्टानों का उदा०
- → पठार ⇒
  - (1) आबु पठार (1295m) → RJ का 2nd सबसे ऊँचा
  - (2) उड़िया पठार (1360m) → RJ का 1st सबसे ऊँचा
- → नक्की झील ⇒
  - → RJ की सबसे ऊची सबसे गहरी मीठे पानी की झील
  - → केटर झील का उदा०

(2) उदयपुर / सलुम्बर ⇒ - सायरा (900m)

- गोगुन्दा (840m) → आयड नदी का उद्‌गम
  → भोराठ की दक्षिणी सीमा
- जरगा (1431m)
- रागा
  → 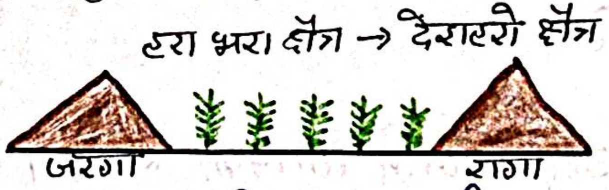

- गिरवा → उदयपुर शहर के चारों ओर "तश्तरीनुमा" आकृति में फैली पहाड़ीयां।
- सज्जनगढ़ (938m) → किला, Biological Park (2015, 1st in RJ)
- बिछामेड़ा → सोम नदी का उद्‌गम
- ऋषभदेव (400m)
- धोनिया (1183m)
- कमलनाथ (1001m)
- लीलागढ़ (874m)
- नागपानी (867m)

(3) राजसमंद ⇒

- अमनोर पहाड़ी → बनास नदी का उद्गम
- कुम्भलगढ़ (1224m) → कुम्भलगढ़ अभ्यारण्य
  - उपनाम → भेड़ियों की शरणस्थली
  - → भोराठ पठार की उत्तरी सीमा
- दिवेर पहाड़ी → कोठारी नदी का उद्गम
- बिजराल की पहाड़ी → खारी नदी का उद्गम
- कुकरा की पहाड़ी → AJ व RJ की सीमा

(4) अजमेर [ब्यावर + केकड़ी] ⇒

- नाग पहाड़ी (795m) → लुनी नदी का उद्गम
- पुष्कर पहाड़ी
- गोरम जी (934m)
- टाडगढ़ (933m)
- तारागढ़ पहाड़ी (873m)
  - ↳ अन्य नाम – घड़बीटली
- नसीराबाद पहाड़ी → डाई नदी का उद्गम
- मेरवाड़ा पहाड़ी → यह मेवाड़ व मारवाड़ को पृथ्थक करती है।

(5) जयपुर (को० व०) ⇒

- झालाना डुंगरी
- आमागढ़ पहाड़ी

→ लेपर्ड सफारी (झालाना डुंगरी, आमागढ़ पहाड़ी)

- मोती डुंगरी - आदम कद गणेश प्रतिमा
- जयगढ़ पहाड़ी (648m) → जयबाण तोप
  - → आकृति - चील के समान / ईगल हिल्स
- नाहरगढ़ पहाड़ी (599m) → Biological park.
  - → RJ की एकमात्र - लॉयन सफारी
- अचरोल - ढूंढ नदी का उद्गम
- मनोहरपुरा (747m) → मेंधा नदी का उद्गम
- सेवर पहाड़ी → साबी नदी का उद्गम
- बैराठ / बीजक पहाड़ी (704m) → बाणगंगा नदी का उद्गम
- चैनपुरा पहाड़ी, → मोरेल नदी का उद्गम
- शील डुंगरी → शीतला माता मंदिर
- बरवाड़ा (786m)
- गलता + पुलगीरी + झालाना → जयपुर शहर की पुर्वी सीमा

NOTE ⇒

गधो की देवी = खलकाणी माता
गधा वाहन = शीतला माता
गधों का मेला = लुणियावास

→ जयपुर (ऊपर की तीनों पंक्तियाँ)

भारत में सर्वाधिक गधे → राजस्थान

NOTE ⇒

- ओह / ओ / ओ नागोरियन पहाड़ी (920 m) - जयपुर
  ↳ जयपुर की सबसे ऊँची पहाड़ी

- ओ दरीबा खान ⇒ अलवर में ताँबे की खान

- बबाई पहाड़ी - झुंझुनु, उदयपुर Note ⇒ बबाई / बाबाई पहाड़ी
- बाबाई पहाड़ी - जयपुर
  (1) झुंझुनु ✓
  (2) जयपुर

(6) सीकर ⇒

- हर्ष पहाड़ी → जीण माता के भाई हर्ष का मंदिर
  ↳ पवन चक्कियों की स्थापना
- जीण पहाड़ी → जीण माता जी मंदिर
- मालखेत पहाड़ी
- पालखेत
- रघुनाथगढ़ पहाड़ी (1055m) - उ. पु. की सबसे उची चोटी
- खण्डेला पहाड़ी → कांतली नदी का उद्गम
- तोरावाटी → श्रीमाधोपुर - खण्डेला - नीमकाथाना एवं अजितगढ़ का क्षेत्र है।
  - यह प्राचीन तोमर वंश का क्षेत्र था जिसमें पृथ्वीराज चौहान द्वारा इनको हराकर दिल्ली पर शासन किया था।

(7) अलवर (खैरथल-तिजारा, कोटपुतली बहरोड़) =>

- हर्षनाथ पहाड़ी
- उदयनाथ → रूपारेल नदी का उद्गम
- कर्णनाथ
- बेहरोज पहाड़ी
- अजबगढ़] भूतों का नगर
- भानगढ़ (649m)] भूतों का नगर
- बैराठ (792m)
- सिरावास (651m)
- बिलाली (775m)
- खो दरिबा - तांबा भण्डार क्षेत्र
- कांकनवाड़ी का पठार → यह सरिस्का अभ्यारण्य में स्थित है।

(8) झुंझुनु =>

- बबई (780m)
- लोहारगल (1051) → इसका महत्त्व गया के समान है।
- चाँदमारी पहाड़ी] तांबा भण्डार
- सिंघाना पहाड़ी] तांबा भण्डार
- खेतड़ी पहाड़ी] तांबा भण्डार

(9) भीलवाड़ा ⇒

- करणगढ़ पहाड़ी → मान्सी नदी का उद्गम (खारी सहायक)
- माण्डल क्षेत्र → कोठारी नदी पर मेजा बांध निर्मित है जिससे भीलवाड़ा की जलआपुर्ती होती है।
- बिजासण की पहाड़ी
- माण्डलगढ़ → मेज नदी का उद्गम
- उपरमाल का पठार
  - → बिजौलिया से भैंसरोडगढ़
  - → कुराल (मेज सहायक) का उद्गम

(10) चित्तौड़ ⇒

- मेसा पठार (620m)
  - → ग्रेनाइट का उदा०
  - → पुर्व में गम्भीरी व पश्चिम → बेडच
- मानदेसर का पठार – समप्राय मैदान का उदा०

(11) डुँगरपुर ⇒

- ईडर की पहाड़ी → अरावली का लघु स्वरूप है जो बिखरे हुए रूप में दिखाई देता है इसे डुंगरपुर पहाड़िया कहते हैं।
  - मोरेन व चाप (माही सहायक) का उद्गम
- भोमठ का पठार → डुंगरपुर + उदयपुर + बांसवाड़ा में विस्तारित
  - जनजातिय बाहुल्य क्षेत्र – मेवल

★ अरावली की चोटियों का अवरोही क्रम ⇒

(1) गुरु शिखर चोटी ⇒
- स्थित - सिरोही
- RJ की सबसे ऊँची पर्वत चोटी
- ऊँचाई = 1722m / 5650 फीट [1727m]
- यहां भगवान दत्तात्रेय का मंदिर स्थित है।
- कर्नल जेम्स टॉड → गुरु शिखर --कहा--> संतो का शिखर
  - → आबु पर्वतीय प्रदेश --कहा--> ओलम्पस पर्वत [देव पर्वत]
- → मध्य भारत की सर्वोच्च चोटी ।

(2) सेर → सिरोही → 1597 m
(3) देलवाड़ा → सिरोही → 1442m
(4) जरगा → उदयपुर → 1431m
(5) अचलगढ़ → सिरोही → 1380m
(6) कुम्भलगढ़ → राजसमन्द → 1224m
(7) जोलियां डुंगर → उदयपुर → 1197 m
(8) जयराज की पहाड़ी → सिरोही → 1091m
(9) रघुनाथगढ़ → सीकर → 1055m
(10) लोहार्गल → झुंझुनु → 1051 m
(11) भद्रपिकेश → सिरोही → 1017 m
(12) कमलनाथ → उदयपुर → 1001m
(13) सज्जनगढ़ → उदयपुर → 938 m
(14) गोरम जी → अजमेर → 934 m
(15) खो → जयपुर → 920 m
(16) तारागढ़ → अजमेर → 873m
(17) बिलाली → अलवर → 775m

NOTE =>

-> त्रिकूट पहाड़ी -> जैसलमेर , स्वर्णदुर्ग
- त्रिकूट पर्वत -> करौली
- चिड़ियाटूंक -> जोधपुर , मेहरानगढ़ किला
- मगरा -> उदयपुर का उ० प. भाग जहाँ कटी-फटी पहाड़ियां स्थित है।
  -> मोती, राणा , मोच्छला / माछिया , बांका

- कुकरा पहाड़ी -> राजसमंद (मेवाड़) व अजमेर (मारवाड़) को पृथ्थक करती है।

- ढोसी पर्वत -> स्थित - महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)
  -> यहाँ चवन्य ऋषि का आश्रम स्थित था तथा सम्पुर्ण क्षैत्र में जड़ी बुटियों की प्रधानता मिलती है।
  (च्यवनप्राश औशधी)
  -> ऊँचाई - 740m
  -> श्रेणी - ज्वालामुखी लावे द्वारा निर्मित है।

~~★ चर~~

v

★ अरावली के प्रमुख दर्रे ⇒

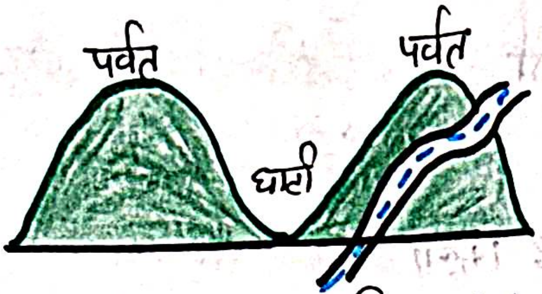

दर्रा —English→ Pass —तिब्बती→ ला —प.घाट / पर्वत→ घाट
↓ अरावली
नाल

- जब पर्वतीय क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से दरार उत्पन्न हो जाती है तो इसमें ~~इसमें~~ निर्मित होने वाला सकड़ा परिवहन मार्ग दर्रा कहलाता है।

- दर्रे को अरावली पर्वतीय प्रदेश में "नाल" के नाम से जाना जाता है।

(1) जयपुर ⇒ सांभर नाल

(2) अजमेर ⇒ [ब्यावर + केकड़ी]
- शिवपुर घाट
- सुराघाट / सरुपाघाट
- भूराघाट
- परवेरिया
- कचबाली
- उदाबाली
- देबाली
- बरदर्रा ⇒ RJ का सबसे व्यस्ततम ~~का~~ दर्रा
  - स्थित - ब्यावर जिला / अजमेर / मध्य अरावली
  - यह दर्रा मारवाड़ को मेरवाड़ा से जोड़ता है।

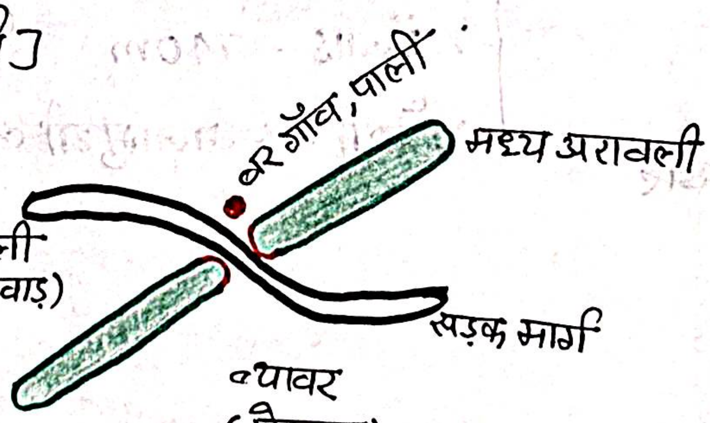

NOTE ⇒ बर गाँव → पाली
बर दर्रा → ब्यावर

(3) पाली =>

जीलवा नाल
देसुरी नाल
पगल्या नाल
]→ मेवाड़ व मारवाड़ को जोड़ते है।

(4) राजसमंद =>

सोमेश्वर की नाल
→ इसके निकट रणकपुर जैन मंदिर स्थित है।
→ उदयपुर को पाली से जोड़ता है।
→ अत्यन्त: सकरा / सकड़ा दर्रा

हाथीगुढा नाल
कमलीघाट
गोरमघाट दर्रा

NOTE => गोरमघाट रेलवे स्टेशन, पाली
→ पुर्णत: सौर ऊर्जा द्वारा संचालित
→ पर्यटन स्थल के रुप में विकसित किया जा रहा है।
→ यहां मीटरगेज रेल का संचालन होता है।

(5) उदयपुर =>

केवड़ा की नाल → ऋषभदेव के निकट स्थित एवं उदयपुर को जयसमंद (ढेबर) झील से जोड़ता है।

फुलवारी की नाल → यहाँ मानसी ~~वाकल~~ वाकल परियोजना स्थित

हाथीनाल →
देबारी नाल
ढेबर नाल

NOTE => हाथीगुढा नाल = राजसमंद

★ राजस्थान के प्रमुख पठार ⇒

- मैदानो से ऊँचा उठा हुआ वह भाग जो उपर से समतल होता है, पठार कहलाता है।

(1) उड़िया का पठार ⇒
- स्थित → , सिरोही, गुरु शिखर के ठीक नीचे
- RJ का सबसे ऊँचा पठार
- ऊँचाई = 1360m

(2) भौराट का पठार ⇒ औसत ऊँचाई = 1265m / 1225m ✓

विस्तार - कुंभलगढ़ से गोगुन्दा (UDR) तक

- यह पठार जल विभाजन / जल संभर का कार्य करता है।
- ग्रेनाइट चट्टानों का क्षेत्र

(3) आबु का पठार ⇒

स्थित = सिरोही

- इस पठार पर आबु शहर बसा हुआ है।
- यह पठार बथोलिथ (गुम्बदाकार) या इन्सेलबर्ग आकृति के रूप में देखनें को मिलता है।
- ऊँचाई = 1295m
- RJ का 2nd सबसे ऊँचा पठार

(4) मेसा का पठार ⇒

स्थित = चित्तौड़गढ़

ऊँचाई = 620m

- यह पठार बेड़च (पश्चिम) व गम्भीरी (पूर्व) नदी के संगम पर स्थित है।
- चित्रागन मौर्य द्वारा इस पठार पर चित्तौड़गढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया।
- ग्रेनाइट चट्टानों का उदा०

(5) मानदेसरी का पठार ⇒

स्थित = चित्तौड़गढ़

- समप्राय मैदान का उदा०

(6) उपरमाल का पठार ⇒ कुराल (मेज सहायक) का उद्गम

स्थित = बिजोलिया (भीलवाड़ा) से भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़) तक

- इस पठार का संबंध मालवा के पठार से मिलता है।

(7) लसाड़िया का पठार ⇒

स्थित = जयसमंद झील के पूर्वी भाग में स्थित

नवीन - सलुम्बर /old - Udaipur

(8) आडावल का पठार ⇒

↳ बुंदी

(9) पीण्डमांड का पठार ⇒

- देवगढ़ तहसिल, राजसमंद में बनास नदी के बहाव क्षेत्र में स्थित है।
- इस पठारी प्रदेश को पीण्डमांड क्षेत्र भी कहा जाता है।

(10) क्रांस व कांकनवाड़ी का पठार ⇒

स्थित - सरिस्का, अलवर

- कांकनवाड़ी के पठार पर कांकनवाड़ी का किला स्थित है जहां औरंगजेब के बड़े भाई दारा शिकोह को बन्दी बनाकर रखा गया था।

(11) भोमट का पठार ⇒

स्थित ⇒ डुंगरपुर + बाँसवाड़ा + उदयपुर

- भेवल जनजातिय बाहुल्य क्षेत्र।